B.A. 6th Semester (Honours) Examination, 2023 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : CC-XIV

Sanskrit Composition and Communication

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु *दश* प्रश्नाः सुरगिरा देवनागरीलिपिमाश्रित्य समाधेयाः। 2×10=20

নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে দাও।

(a) किं नाम प्रातिपदिकम्? को वा प्रातिपदिकार्थः?
প্রাতিপদিক কাকে বলে? প্রাতিপদিকার্থই বা কী?

(b) 'अनियतलिङ्गास्तु लिङ्गमात्राधिक्यस्य' — इति वचनस्य कोऽर्थः?
'অনিয়তলিঙ্গাস্তু ----' ইত্যাদি বচনের তাৎপর্য কী?

(c) 'एकादशीमुपवसन्ति निरम्बुभक्षाः' — इत्यत्र रेखाङ्कितपदस्य विभक्तिं सकारणं ससूत्रं लिखत।
'একাদশীমুপবসন্তি নিরম্বুভক্ষাঃ' — এখানে নিম্নরেখ পদটির বিভক্তির কারণ সসূত্র লেখো।

(d) 'धूमाद् अग्निमान्' — इत्यत्र रेखाङ्कितपदे हेत्वर्थे कथं पञ्चमी विभक्तिः स्यात्?
'ধূমাদ্ অগ্নিমান্' — এখানে নিম্নরেখ পদটিতে হেত্বর্থে পঞ্চমী বিভক্তি কেন হল?

(e) ऋते कृष्णात् — इत्यत्र रेखाङ्कितपदस्य विभक्तिं सकारणं ससूत्रं लिखत।
'ঋতে কৃষ্ণাৎ' — এস্থলে নিম্নরেখ পদটির বিভক্তির কারণ সসূত্র লেখো।

(f) कर्मप्रवचनीययोगे का विभक्तिः स्यात्? प्रासङ्गिकं सूत्रं देयम्।
কর্মপ্রবচনীয়যোগে কোন বিভক্তি হয়? প্রাসঙ্গিক সূত্রটি লেখো।

(g) 'पञ्चम्यपाङ् परिभिः' — इति सूत्रस्य कोऽर्थः? उदाहरणं च देयम्।
'পঞ্চম্যপাঙ্ পরিভিঃ' — এই সূত্রের অর্থ কী? এর উদাহরণ দাও।

(h) 'यं प्रति कोपः' किम्? — इति दीक्षितोक्तेः किं तात्पर्यम्?
'যং প্রতি কোপঃ' কিম্? — এই দীক্ষিতোক্তির তাৎপর্য লেখো।

(i) 'पुष्पेभ्य: स्पृहयति', 'पुष्पाणि स्पृहयति' चेत्यनयोर्वाक्ययोर्भेदो व्याकरणोक्तदिशा निरूपनीय:।

পুষ্পেভ্যঃ স্পৃহয়তি' এবং 'পুষ্পাণি স্পৃহয়তি' এই দুটি বাক্যের পার্থক্য ব্যাকরণের আলোকে লেখো।

(j) 'नमस्कुर्मो नृसिंहाय' इत्यस्मिन् वाक्ये 'नृसिंहाय' इति कथं चतुर्थी?

'নমস্কুর্মো নৃসিংহায়' এস্থলে 'নৃসিংহায়' পদে চতুর্থী বিভক্তির কারণ কী?

(k) 'वपुषा चतुर्भुज:' — इत्यस्मिन् वाक्ये 'वपुषा' इति कथं तृतीया?

'বপুষা চতুর্ভুজঃ' — এই বাক্যে 'বপুষা' শব্দে তৃতীয়ান্ত পদ কেন?

(l) सम्प्रदानकारकपरामर्शकं प्रधानं सूत्रं सोदाहरणं लिखत।

সম্প্রদানকারক বিধায়ক প্রধান সূত্রটি উদাহরণসহ লেখো।

(m) हेतुकरणयो: को भेद:?

হেতু ও করণের মধ্যে পার্থক্য কী?

(n) 'अत्यन्तसंयोगे' इत्यस्य कोऽर्थ:? शब्दस्तु कस्मिन् सूत्रे उपलभ्यते?

'অত্যন্তসংযোগে' শব্দটির অর্থ লেখো। কোন সূত্রে এই শব্দটি পাওয়া যায়?

(o) 'उपपदविभक्ते: कारकविभक्तिर्बलीयसी' — इति व्याख्यायताम्।

ব্যাখ্যা করো — 'উপপদবিভক্তেঃ কারকবিভক্তির্বলীয়সী'।

2. (a) কোনো এক অহংকারী রাজা মনে করতেন যে তিনি আপন শক্তিতে সমগ্র পৃথিবী জয় করতে পারেন। তখন এক সন্ন্যাসী এক বিশাল মঞ্চ সেখানে আনিয়ে রাজাকে বললেন, 'আপনি কি সমগ্র মঞ্চ জুড়ে শুতে পারবেন যেখানে একটুও ফাঁক থাকবে না।' রাজা বললেন - 'শরীরের যেমন আকার ততখানি ভাগ জুড়েই শোয়া সম্ভব।' সন্ন্যাসী বলেন - 'তাহলে এত অহংকার কিসের?'

- उपरितनं सन्दर्भं संस्कृतेन लिखत।

কোনো এক অহংকারী রাজা... — ইত্যাদি সন্দর্ভটি সংস্কৃত ভাষায় লেখো। 5

अथवा,

(b) एष: अनुच्छेद: संस्कृतभाषया अनूद्यताम् — কোনো এক আশ্রমে গুরুদেব প্রবচনকালে বলেন — 'ঈশ্বর যদিও নিরাকার তবু তিনি কখনো কখনো বিশেষ আকারে দেখাও দেন।' পরের দিন আনন্দ নামে এক শিষ্য বলেন যে, 'গুরুদেব! আপনি যথার্থ বলেছেন। গতকাল, আমি ঈশ্বরচিন্তা করতে করতে ঘুমিয়ে রাতে এক উজ্জ্বল জ্যোতিষ্ক দেখেছি। তাঁর সাথে দীর্ঘক্ষণ কথাও বলেছি।'

এই অনুচ্ছেদটি সংস্কৃত ভাষায় অনুবাদ করো — কোনো এক আশ্রমে ... ইত্যাদি। 5

3. (a) कश्चन गृहस्थः द्वादशवर्षीयेण जडबुद्धिना पुत्रेण सह आगत्य आचार्यं शङ्करं प्रणम्य अवदत् — 'आचार्यवर्य! अयं मे पुत्रः, आ जन्मनः मूढ इव। केनापि सह न भाषते। सदा जडबुद्धिः इव तिष्ठति इति। आचार्यः तं बालकं स्वसमीपम् आठूय प्रीत्या अपृच्छत् - भोः, भवान् कः? किमर्थम् अत्र आगतम्? इति। तदा स बालकः अवदत् - 'भगवन्! नाहं देवः, यक्षः ब्राह्मणः क्षत्रियः वैश्यः शूद्रो वा। न ब्रह्मचारी, न गृहस्थः न वा वानप्रस्थी। न कुलं न वा आश्रमः मे। भगवतः अंशरूपः अहम्' इति।

तदा शंकराचार्यः सानन्दम् अवदत् - वयं सर्वे नामकुलादीनां सम्बन्धं स्वस्य कल्पयामः। किन्तु आत्मनः न नाम, न कुलं न वा वर्णः। नामादयस्तु अस्य देहस्य। विनष्टे देहे आत्मनः न नाम न वा अन्यः सम्बन्धः। अतः अयमस्ति महात्मा। जन्मना एव वेदान्ती अयम्। यदि अयं गृहे तिष्ठेत् तर्हि जडमतित्वेन जनाः एतं निन्देयुः' इति।

— उपरितनं सन्दर्भं मनसि निधाय अधोलिखिताः प्रश्नाः समाधेयाः सुरगिरा।

(i) गृहस्थस्य पुत्रः कीदृशः आसीत्?

(ii) आत्मस्वरूपं ज्ञापितवता बालकेन किमुक्तम्?

(iii) तच्छ्रुत्वा शङ्कराचार्येण किमुक्तम्? 1+2+2

कश्चन गृहस्थः ... — ইত্যাদি সন্দর্ভটি পাঠ করে নীচের প্রশ্নগুলির উত্তর দাও সংস্কৃত ভাষায়।

(i) গৃহস্থের পুত্র কেমন ছিল?

(ii) নিজের পরিচয় দেবার সময় বালক কী বলেছিল?

(iii) তা শুনে শঙ্করাচার্য কী বলেছিলেন?

अथवा,

(b) कश्चन तरुणः पितरम् अवदत् — 'पितः! कष्टकर्यामपि स्थित्याम् धैर्यच्युतिः यथा न भवेत् तथा जीवनं करणीयम् इति इच्छा मम। तदर्थमहं किं कुर्याम्?' इति। पित्रा उक्तम् 'तदर्थं त्वया अरण्यं प्रति आगन्तव्यं भवेत् मया सह। तत्र घोररात्रौ वस्त्रपट्टिकया तव नेत्रयोः बन्धनं विधाय प्रत्यागमिष्यामि अहम्। सूर्योदयपर्यन्तं त्वया तत्रैव स्थातव्यम्। किं त्वम् एतत् कर्तुं शन्कुयाः?' इति अपृच्छत् पिता। क्षणं विचिन्त्य पुत्रः अवदत् — 'आम्, अहं सज्जः। एका एव खलु रात्रिः यापनीया मया। तदहम् अवश्यं करिष्यामि।' इति।

पुत्रस्तु वृक्षस्य अधः उपाविशत्, घण्टाः अतीताः। कुतश्चित् शृगालरवः श्रुतः। अन्यतः व्याघ्रगर्जनं श्रुतम्। महत् शैत्यम् अबाधत। सर्पः पार्श्वे एव सञ्चरति इत्यपि अनुभवः प्राप्तः। प्रतिक्षणं भीतिः। तथापि कथमपि धैर्यं धृत्वा मौनेन उपविशत् पुत्रः।

अन्ते प्रातः सूर्यकिरणानां स्पर्शस्य अनुभवं प्राप्य पुत्रः वस्त्रपट्टिकाम् अपनीतवान्। अनतिदूरे रक्तनेत्रयुक्तः निद्राहीनः पिता उपविष्टवान् आसीत्। तेन उक्तं यत् जीवने कोऽपि कदाचिदपि न एकाकी। भगवान् सर्वदा तेन सह तिष्ठति एव। एतत् स्मरणं त्वयि अपूर्वं धैर्यं पूरयिष्यति इति।

— उपरितनं सन्दर्भम् अनुसृत्य अधोलिखितानाम् प्रश्नानाम् उत्तरं सुरगिरा देयम्।

(i) पुत्रः पितरम् किं पृष्टवान्?

(ii) पित्रा किमुक्तम्?

(iii) पुत्रः किं पित्रादेशं पालितवान्? का तस्य अभिज्ञता? 1+2+2

উপরোক্ত সন্দর্ভ পাঠ করে নীচের প্রশ্নগুলির উত্তর সংস্কৃতে দাও।

(i) পুত্র পিতাকে কী বলেছিল?

(ii) পিতা কী বলেছিলেন?

(iii) পুত্র কি পিত্রাদেশ পালন করেছিল? তার অভিজ্ঞতা কী ছিল?

4. कर्म इत्यनुवृत्तौ पुनः कर्मग्रहणमाधारनिवृत्त्यर्थम् — इति दीक्षितवचनं व्याख्येयम्। 5

'कर्म —' ইত্যাদি দীক্ষিতবচন ব্যাখ্যা করো।

5. 'सहयुक्तेऽप्रधाने' इति सूत्रं व्याख्यायताम्। 5

'সহযুক্তেঽপ্রধানে' সুত্রটি ব্যাখ্যা করো।

6. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः *अन्यतरः* समाधेयः। 10

নীচের দুটি প্রশ্নের *যে কোনো একটির* উত্তর দাও।

(a) करणपरामर्शकं प्रधानं सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यायताम्। तद्विधायकं सूत्रान्तरमपि व्याख्येयम्।

করণবিধায়ক প্রধান সূত্রটি উদাহরণসহ ব্যাখ্যা করো। সেই বিষয়ক আরও একটি সূত্রও ব্যাখ্যা করো।

(b) अपादानपरामर्शकं प्रधानं सूत्रं व्याख्येयम्। तद्विधायकम् अन्यत् सूत्रत्रयमदि सोदाहरणं दीक्षितोक्तदिशा व्याख्यायताम्।

অপাদান বিধায়ক প্রধান সূত্রটি ব্যাখ্যা করো। সেই বিষয়ক অন্য তিনটি সূত্রও সোদাহরণ দীক্ষিতানুসারী ব্যাখ্যা করো।

7. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः अन्यतरस्य उत्तरं प्रदेयम्। 10

নীচের দুটি প্রশ্নের মধ্যে *একটির* উত্তর দাও।

(a) अस्मिन् वर्षे IPL इति क्रिकेटप्रतियोगिताम् आश्रित्य काचित् विवरणी सुरगिरा प्रदेया।

এই বছরে IPL এর ক্রিকেট প্রতিযোগিতা অবলম্বনে কোনো এক রিপোর্ট সংস্কৃতে লেখো।

(b) तव महाविद्यालये 26/01/2023 इति दिनांके प्रजातन्त्रदिवसं समुपलक्ष्य यत् रक्तदानशिबिरम् आयोजितम् तस्य विवरणी आत्मपरिचयं गोपयित्वा सुरगिरा लिखत।

তোমার মহাবিদ্যালয়ে গত 26 জানুয়ারি প্রজাতন্ত্র দিবস উপলক্ষে যে রক্তদান শিবির হয়েছিল তার বিবরণ নিজের পরিচয় গোপন রেখে সংস্কৃতে লেখো।